जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 47 प्रभात जालोर, शुक्रवार 24 मई, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ओरांगुटान बेहद होशियार होते हैं यह बात पहले ही साबित हो चुकी है, विशेष रुप से बीज कुरेदने व कीड़ों को ढूंढने के लिए टूल्स का इस्तेमाल करने जैसे कौशल के लिए। पर एक नई रिसर्च से पता चला है कि, ओरांगुटान जड़ी बूटी का इस्तेमाल करना भी जानते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि, उन्होंने एक नर सुमात्रन ओरांगुटान को चेहरे पर मौजूद एक घाव का इलाज करते हुए देखा। उसने एक ऐसे पौधे की पत्तियों का रस और लुगदी अपने घाव पर लगाई, जो एंटी इन्फ्लमेटरी और दर्द निवारक गुणों के लिए जाना जाता है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब जानवरों को खुद का इलाज करते हुए देखा गया है। बोर्नियन ओरांगुटान को अपने हाथ पैरों पर ऐसे पौधों की पत्तियों को चबाकर लेप करते हुए देखा गया जिसका इस्तेमाल इंसान दुखती मांसपेशियों के ईलाज के लिए करते हैं। वहीं, चिपांज़ियों को, कृमि संक्रमण के इलाज के लिए ज्ञात पौधों को चबाते और घाव पर कीड़ों को लगाते हुए भी देखा गया है। तथापि इस नई खोज में किसी जंगली जानवर को पहली बार खुले घाव का इलाज करते हुए देखा गया है। जर्मनी के मैक्सप्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बिहेवियर की वरिष्ठ शोध लेखक डॉ. कैरोलाइन स्क्पली ने कहा कि, "हमारे अध्ययन में ओरांगुटान ने जिस पौधे का इस्तेमाल किया वह अपने औषधीय गुणों के लिए विख्यात है। टीम ने बताया कि, राकुस नाम के नर सुमात्रन ओरांगुटान को ट्रैक करते समय उन्होंने देखा कि, ओरांगुटान के चेहरे पर एक ताजा घाव है। तीन दिन बाद राकुस एक बेल, फाईब्रॉरिया टिंक्टोरिया की पत्तियों व शाखाओं को खा रहा था। फिर उसने कुछ अप्रत्याशित किया। पत्तियां खाने के तेरह मिनट बाद उसने पत्तियों को चबाया पर निगला नहीं। फिर, अपने मुंह से निकलने वाले पौधे के रस को अपनी ऊंगलियों से सीधे अपने चेहरे के घाव पर लगा लिया। पांच दिन बाद घाव ठीक हो गया और कुछ सप्ताह बाद सिर्फ एक निशान रह गया था। टीम ने कहा कि राकुस ने जिस पौधे का इस्तेमाल किया उसमें एंटी बैक्टीरियल, एंटी इन्फ्लमेटरी, एंटी फंगल, एंटी ऑक्सीडैंट्स, पेन किलिंग और एंटी कार्सिनोजैनिक खूबियां हैं और पारम्परिक चिकित्सा में डिसैन्टरी, डायबिटीज़ और मलेरिया के इलाज में इसका प्रयोग होता है।

मतदान के आंकड़े सार्वजनिक करने में विलंब व आनाकानी बर्दाश्त नहीं होगी?

सुप्रीम कोर्ट दोबारा मतदान भी करा सकता है अगर चुनाव आयोग समय से पूर्ण आंकड़े जारी नहीं करता

- **राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि, बूथ वाइज़ मतदान के आंकड़े अगर चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर नहीं डालता है, तो, राजनीतिक पार्टियों का शक और मजबूत होता है कि, कुछ गड़बड़ तो है।**
- **चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह दलील दी कि, विवेकहीन तरीके से हर बूथ पर हुए मतदान का आंकड़ा रिलीज़ करने से चुनाव प्रक्रिया में बेवजह "अव्यवस्था" फैलेगी और चुनाव कराने वाली मशीनरी वैसे ही अभी चुनाव कराने में व्यस्त है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को उन याचिकाओं की सुनवाई करेगा, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा चुनाव डेटा घोषित नहीं करने को चुनौती दी गई है।

अटकलें हैं कि, सुप्रीम कोर्ट चुनाव रद्द कर नए सिरे से चुनाव करवाने के आदेश भी दे सकता है। हालांकि अभी सुप्रीम कोर्ट में ग्रीष्मवकाश चल रहा है, पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) डी.वाई. चन्द्रचूड़ खुद बैंच की अध्यक्षता कर सकते हैं।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने गुरूवार को कहा कि, चुनाव आयोग बूथ वाइज़ वोटर्स का डेटा अपनी वैबसाइट पर नहीं दे रहा है। इससे राजनैतिक दलों में संदेह पैदा हो रहा है कि, दाल में कुछ काला है। और उन्होंने हैरानी जताई है कि डेटा जारी करने में आखिर समस्या क्या है।

वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने कहा कि जब पोलिंग एजेंट को दिए जाने वाले फार्म 17 सी में सारी जानकारी होती है तो वोटिंग का डेटा जारी करने में क्या समस्या है।

उनकी टिप्पणी से एक दिन पहले ही चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि बूथ वाइज़ डेटा को विवेकहीन तरीके से वैबसाइट पर पोस्ट करने से चुनाव प्रक्रिया में बेवजह अव्यवस्था फैलेगी। और आयोग पहले से ही लोकसभा चुनाव प्रक्रिया में व्यस्त है।

चुनाव आयोग ने कहा कि फॉर्म 17 सी, जिसमें एक पोलिंग स्टेशन पर डाले गए उन वोटर्स की संख्या होती है, की सार्वजनिक पोस्टिंग का कानूनी प्रावधान नहीं है। और इससे चुनाव प्रक्रिया अस्त व्यस्त हो सकती है इससे मतदाताओं के चित्रों के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने गुरूवार को चुनाव आयोग पर बेशर्मी से वोटिंग डेटा छिपाने का आरोप लगाया।

तृणमूल सांसद ने एक्स पर अपनी पोस्ट में एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि फॉर्म 17 सी के अनुसार मतदान प्रतिशत का खुलासा करने में समय लगेगा। सांसद ने अपनी पोस्ट में लिखा कि ई.सी.आई. द्वारा प्रकाशित "हैंडबुक फॉर रिटर्निंग आफिसर्स" में कहा गया है कि रिटर्निंग आफिसर्स को सिर्फ "क्लोज़" बटन दबाना है और ऐसा करते ही कुल मतों की संख्या प्रदर्शित हो जाती है जो फॉर्म 17 सी में दर्ज है।

गोखले ने कहा, "बहुत महत्वपूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट में खुलेआम झूठ बोल रहा है।

गोखले ने उपरोक्त हैंडबुक का हवाला देकर कहा जब बटन दबाते ही जानकारी मिल जाती है जो इससे कितना समय लगेगा? मात्र तीन सैकेंड। फिर भी चुनाव आयोग बेशर्मी से डेटा छुपा रहा है और झूठ बोल रहा है। कुछ बहुत बड़ी गड़बड़ चल रही है और चुनाव आयोग इसका सक्रिय हिस्सा बन गया है।

चुनाव आयोग ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में मतदान के आंकड़े में अंतर के आरोप को झूठ और गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया कि लोकसभा चुनाव में पहले दो चरणों के मतदान प्रतिशत में मतदान वाले दिन और बाद में जारी किए गए आंकड़े में अंतर देखा गया है।

चुनाव आयोग ने एन.जी.ओ. की प्रार्थना पर दायर हलफनामे के जवाब में कहा कि फार्म 17 सी को सार्वजनिक रूप से जारी करने का कानूनी प्रावधान नहीं है और इससे अव्यवस्था फैल सकती है।

एन.जी.ओ. ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की है कि चुनाव आयोग को मतदान के 48 घंटे के भीतर अपनी वैबसाइट पर हर चरण के आंकड़े जारी करने के निर्देश दिए जाएं।

मु.मंत्री सिद्धारमैया ने एक और पत्र लिखा प्र.मंत्री को प्रज्ज्वल का पासपोर्ट रद्द करने के लिये

प्रज्ज्वल रैवन्ना, क्योंकि सांसद हैं, उन्हें कूटनीतिक पासपोर्ट मिला हुआ है, जिसे रद्द करने की बात कर रहे हैं कर्नाटक के मु.मंत्री

- **सिद्धारमैया ने अपने पत्र में यह भी लिखा है कि, यह भी आश्चर्य की बात है कि, ऐसे व्यक्ति को, जिस पर कई महिलाओं से बलात्कार का आरोप लगा हुआ है तथा इस कृत्य के कई वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं कर्नाटक में, भाजपा ने सांसद के चुनाव में हसन से उम्मीदवार बनाया है।**
- **दूसरी और प्रज्ज्वल रैवन्ना के दादा, पूर्व प्र.मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने अपने पोते प्रज्ज्वल को चेतावनी दी है कि, वे भारत लौटें तथा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करें तथा उनके खिलाफ चलाये जा रहे मुकदमे का सामना करें, अन्यथा पूरा परिवार उनका बहिष्कार करेगा।**

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। प्रज्वल रैवन्ना के केस में चल रही जांच और प्रज्वल की जानकारी व उसे वापस लाने के मुद्दे पर केन्द्र व राज्य के बीच चल रही लड़ाई में भाजपा को सोशल मीडिया की पावर का सामना करना पड़ रहा है, प्रज्वल के खिलाफ अनेकों महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोप में एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। भाजपा को चिंता है कि इससे भाजपा को चुनाव प्रचार में दूरगामी नुकसान हो सकता है।

चुनाव के 5 चरण पूरे हो चुके सिर्फ दो ही चरण बचे हैं, 25 मई और एक जून का। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार प्रज्वल का डिप्लोमैटिक पासपोर्ट कैंसल कराने के लिए उसे आर पार की लड़ाई लड़ रही है। प्रज्वल जनता दल (एस) के सांसद हैं और मौजूदा चुनाव में हासन से एन.डी.ए. के प्रत्याशी हैं। कर्नाटक सरकार प्रज्वल को स्वदेश लाना चाहती है ताकि वह कानूनी प्रक्रिया का सामना करे।

एन.डी.ए. के लिए प्रज्वल रैवन्ना के केस का खुलासा ऐसे समय में हुआ था जब यहां की 14 सीटों पर मतदान होना था, कर्नाटक की 14 सीटों पर 13 मई को दूसरे चरण में मतदान हुआ था इस हैरत अंगेज मामलों में कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने और उनके वीडियो बनाए गए हैं और सोशल मीडिया के इस युग में ये वीडियो पूरे कर्नाटक में और उससे बाहर भी कई लोगों के फोन तक पहुंच गए हैं। राजनैतिक विशेषज्ञों को यकीन है कि, इस केस से निस्संदेह ही राज्य में एन.डी.ए. की संभावना प्रभावित होगी ही साथ ही यह राज्य के बाहर भी एन.डी.ए. को नुकसान पहुंचा सकता है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम. सिद्धारमैया ने गुरूवार को फिर से प्रधानमंत्री को पत्र लिखा कि और प्रज्वल रैवन्ना के केस पर तुरंत ध्यान देने की अपील की और उसे जारी किया गया राजनयिक पास पोर्ट रद्द करने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने अपने दूसरे पत्र में लिखा है कि, वे उन जघन्य घटनाओं की ओर ध्यान खींचना चाह रहे हैं, जो कथित रूप से प्रज्वल रैवन्ना ने अंजाम दी हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने ना केवल राज्य के लोगों की आत्मा को

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सचिन पायलट एक दिन में 18 घंटे प्रचार कर रहे हैं

- **सचिन पायलट इस लोकसभा चुनाव में धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। वे अब तक 14 राज्यों में 100 से ज्यादा सभाएं कर चुके हैं।**

जयपुर, 23 मई। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट आजकल धुआंधार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने एक दिन में 18 घंटे चुनाव प्रचार किया।

22 मई को अपने घर से सुबह 6 बजे के निकले सचिन पायलट 18 घंटे बाद, रात में 12 बजे दिल्ली वापिस लौटे। इस दौरान उन्होंने पंजाब और हिमाचल प्रदेश के 3 लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी सभाएं कीं। देर रात लौटने के बाद अगले दिन, 23 मई को, सुबह 9 बजे वे उत्तर पूर्वी दिल्ली में हो रही राहुल गांधी की सभा में सम्मिलित हुए। 24 मई को पायलट पुन: पंजाब में प्रचार करने जाएंगे।

सचिन पायलट इस लोकसभा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जैसे-जैसे चुनाव दक्षिण बंगाल की ओर बढ़ रहा है, हिंसा का तांडव और भयानक हुआ

जैसा कि विदित ही है, उत्तर बंगाल में भाजपा ने कुछ जगह बना ली है, पर दक्षिण बंगाल पर तृणमूल का प्रभाव व कंट्रोल पूरा है

- **नंदीग्राम के गांव सोना चूरी में मोटर साइकिल पर सवार तृणमूल के बाहुबलियों ने मध्य रात्रि को आक्रमण किया।**
- **आक्रमण कारियों ने पांच सात भाजपा कार्यकर्ताओं की जमकर ठुकाई की तथा एक भाजपा कार्यकर्ता की मां की लाठियों से मार-मार कर हत्या कर दी।**
- **नंदीग्रीम भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी का चुनाव क्षेत्र है, जहां से शुभेन्दु ने ममता बनर्जी को गत विधानसभा चुनाव में हराया था।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। एक निर्दोष आदिवासी महिला को मध्य रात्रि को तृणमूल के बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी।

बंगाल में केन्द्रीय सुरक्षा बलों द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा का मजाक उड़ाते हुए, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने नंदीग्राम के क्षेत्र में आतंक का खुला खेल शुरु कर दिया है। इस क्षेत्र में एक आदिवासी भाजपा कार्यकर्ता की माँ का तृणमूल के बाइक सवार गुंडों ने निर्मम हत्या कर दी।

शुभेन्दु अधिकारी को चुनौती देने के लिए किए गए शक्ति प्रदर्शन में कई भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गए और एक आदिवासी महिला की मृत्यु हो गई। शुभेन्दु अधिकारी बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता है और वे तृणमूल की सुप्रीमो ममता बनर्जी की सत्ता को संभावित चुनौती देने वाले हैं।

हमलावर सोनाचुरी गाँव में मध्य रात्रि के बाद आए थे और उन्होंने इस क्षेत्र में भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हमला करना शुरु कर दिया।

हमलावरों ने इस आदिवासी महिला को इस कदर निर्दयतापूर्वक मारा-पीटा की उसकी मौत हो गई। इस गाँव में टी.एम.सी. के मोटर साइकिल सवारों ने भाजपा के करीब आठ कार्यकर्ताओं को बहुत बुरी तरह से मार कर घायल कर दिया।

इस घटना से एक दिन पूर्व ही तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने यहाँ का

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जालोर में भीषण गर्मी से चार जनों की मौत

जालोर, 23 मई (कासं)। जालोर में गुरुवार को भीषण गर्मी व लू के प्रभाव से चार लोगों की मौत हो गई।

गुरुवार को जालोर शहर में तापमान 47 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। जालोर जिले के आहोर ग्राम संगाडी में तेज गर्मी व लू के प्रभाव से पोपटलाल

- **जालोर में गुरूवार को तापमान 47 डिग्री के पार पहुंच गया और 47.5 डिग्री दर्ज किया गया। जालोर में कई दिनों से तेज गर्मी है और भारी लू चल रही है।**

(30) पुत्र उकाराम, जाति प्रजापत, की घर पर तबियत खराब होने पर उसे जालोर के राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। जालोर शहर के रेलवे स्टेशन से सुरजदान (52) पुत्र विष्णुदान, निवासी नरपडा व सोनाराम (65) निवासी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जयंत सिन्हा ने झारखंड के पार्टी महासचिव का पत्र पाकर "विस्मय" व्यक्त किया

सिन्हा ने दो पेज का जवाबी पत्र लिखकर कहा, मैंने चुनाव में मतदान "पोस्टल बैलट" के मार्फत किया था, क्योंकि मतदान के दिन मैं विदेश में था, व्यक्तिगत जिम्मेवारियों के कारण

- **महासचिव साहू ने सिन्हा को हजारीबाग के चुनाव में मतदान नहीं करने और चुनाव की किसी भी गतिविधि में भाग न लेने पर, कारण बताओ नोटिस भेजा था।**
- **सिन्हा, दो बार हजारीबाग सीट से सांसद निर्वाचित हुए हैं, इस बार चुनाव में उन्हें टिकट नहीं दिया गया था।**
- **सिन्हा ने आगे अपने पत्र में लिखा कि, उन्हें हजारी बाग में आयोजित किसी भी चुनावी प्रोग्राम व गतिविधि की न तो सूचना भेजी गयी और न ही आमंत्रित किया गया, तो, वे कैसे इन गतिविधियों में भाग न लेने के आरोपी हो सकते हैं।**
- **"जब जायसवाल को पार्टी प्रत्याशी बनाया गया, मैंने उन्हें स्वयं आठ मार्च को बधाई दी थी तथा यह घटना सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी।"**
- **उन्होंने कहा, मैंने 2 मार्च को पार्टी अध्यक्ष नड्डा से सम्पर्क करके उनकी मूक सहमति प्राप्त करके, निर्णय लिया था कि, आगामी चुनाव में शामिल नहीं होऊंगा, पर पार्टी की गवरनैंस व इकोनॉमिक नीतियों को पूरा समर्थन दूंगा व प्रसारित करूंगा, जो मैं पूरी लगन से कर रहा हूँ।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। भाजपा के "शो कॉज़" नोटिस पर प्रतिक्रिया करते हुए, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा सांसद जयंत सिन्हा ने आश्चर्य व्यक्त किया है। इस नोटिस में उनसे पूछा गया था कि इस समय चल रहे चुनावों में उन्होंने मतदान और चुनाव प्रचार में भाग क्यों नहीं लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने चुनावी हक और कर्तव्य के निर्वहन के लिए डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट) का इस्तेमाल किया था।

बुधवार को झारखंड भाजपा के महासचिव आदित्य साहु के पत्र के जवाब में जयंत सिन्हा ने कहा कि उन्होंने अपना मत डाक मतपत्र के जरिए डाला था क्योंकि वो निजी जिम्मेदारियों के कारण विदेश में थे।

सिन्हा, झारखंड की हजारीबाग सीट से वर्तमान सांसद हैं लेकिन, इन चुनावों में उनको टिकट नहीं दिया गया था। उन्होंने साहु को लिखे दो पेज के पत्र में कहा, "मुझे आपका पत्र मिलने पर बहुत आश्चर्य हुआ और आपने इसको मीडिया में भी प्रसारित कर दिया है।

साहु ने उन आरोप कि हजारीबाग लोकसभा सीट से मनीष जायसवाल के प्रत्याशी घोषित होने के बाद से वह संगठनात्मक कार्यों और चुनाव प्रचार में भाग नहीं ले रहे थे, आरोप का जवाब देते हुए सिन्हा ने कहा, "उन्हें पार्टी के किसी आयोजन, रैलियों या संगठनात्मक बैठकों में आमंत्रित नहीं किया गया था।"

"अगर पार्टी मुझे किसी चुनावी कार्यक्रम में सम्मिलित करना चाहती थी तो वह मुझसे निश्चय ही संपर्क कर सकती थी, लेकिन, झारखंड के किसी भी वरिष्ठ पदाधिकारी, सांसद या विधायक ने मुझसे संपर्क नहीं किया। मुझे पार्टी के किसी आयोजन, रैलियों या संगठनात्मक बैठकों में आमंत्रित नहीं किया गया।"

सिन्हा ने मार्च में, वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और उन्होंने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प्रशांत किशोर भाजपा के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बने

- **भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने प्रशांत की नियुक्ति की घोषणा की।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, अरुण सिंह के अनुसार, राजनीतिक विश्लेषक और सलाहकार, प्रशांत किशोर को भारतीय जनता पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

उन्होंने कहा, पार्टी अध्यक्ष, जगत प्रकाश नड्डा ने प्रशांत को नियुक्त किया है और यह नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है।